

काकी
कलास -७
पाठ का नाम -काकी
पाठ -२

CHANGING YOUR TOMORROW

पाठ व्याख्या

पड़ोस के बालकों से पता चल ही गया। वह जान गया कि काकी, ऊपर राम के यहां गयी है। कई दिन तक लगातार रोता रहा। फिर उसका रुदन तो शांत हो गया। पर शोक शांत न हो सका। बारिश के बाद जमीन के ऊपर का पानी सूखने में देर नहीं लगती। लेकिन जमीन के नीचे की नमी बहुत दिन तक बनी रहती है। वैसे ही शामू के मन में शोक बस गया था। वह अकेला बैठा रहता। खाली मन से आकाश की ओर ताका करता।



शब्दार्थ



- पतंग – पतले कागज से बनी वह बस्तु जो डोर के सहायता से हवा में उड़ाई जाती है
- शौक – लालसा, सुख भोग
- उदास – दुःखी
- वादा - वचन, प्रतिज्ञा
- उतावला - आवेश में काम करनेवाला, जल्दबाज़
- चबन्नी - रुपए का चौथाई हिस्सा ; चार आने मूल्य का सिक्का
- समवयस्क – हमउम्र
- जीजी - बड़ी बहन, दीदी

व्याकरण प्रश्न

- बिलोम शब्द लिखिए -
- बहुत ---
- पास ---
- उदास ----
- खुस -----
- वाक्य बनाओ -
- पतंग ,वादा ,चबन्नी ,भोलेपन ,खबर
- पर्यायवाची शब्द लिखिए -
- हृदय -
- शौक --

गृहकार्य

- किसको पतंग उड़ाने का शौक था ?
- किसका हृदय खिल उठा और क्यों ?
- काका क्यों उदास हो गए थे ?
- कोर्ट कहाँ टँगा हुआ था ?
- सुखिया कौन थी ?
- सुखिया का बेटे का नाम क्या था ?
- जीजी से क्या मंगाने के लिए शयमू ने भोला से कहा ?
- कौन रहस्य खोल और क्यों ?

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP